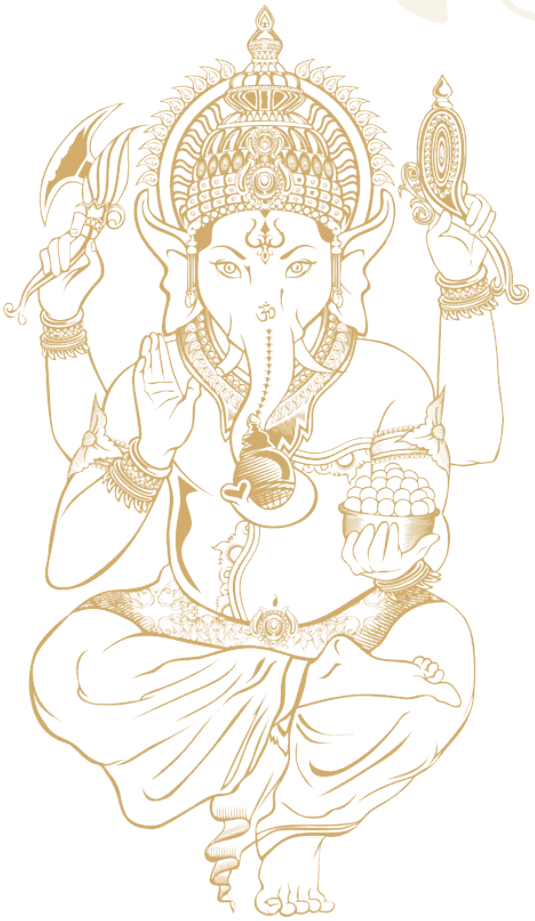

Mr.

15 May 2025

03:04 PM

Bangalore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121884706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/05/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:04:00 घंटे**
इष्ट	22:53:38 घटी
स्थान	**Bangalore**
राज्य	Karnataka
देश	India

अक्षांश	13:00:00 उत्तर
रेखांश	77:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:44:20 घंटे
वेलान्तर	00:03:38 घंटे
साम्पातिक काल	06:17:48 घंटे
सूर्योदय	05:54:32 घंटे
सूर्यास्त	18:37:43 घंटे
दिनमान	12:43:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:35:51 वृष
लग्न के अंश	10:11:56 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:11:56	357:22:38	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			वृष	00:35:51	00:57:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	00:28:49	12:13:43	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	18:16:51	00:29:52	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध			मेष	14:24:13	01:50:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	00:08:47	00:12:50	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:55:57	00:48:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			मीन	04:59:45	00:05:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		मीन	01:16:28	00:10:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:16:28	00:10:01	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	02:56:07	00:03:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप			मीन	07:17:28	00:01:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	09:34:49	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	09:52:30	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:42

लग्न-चलित

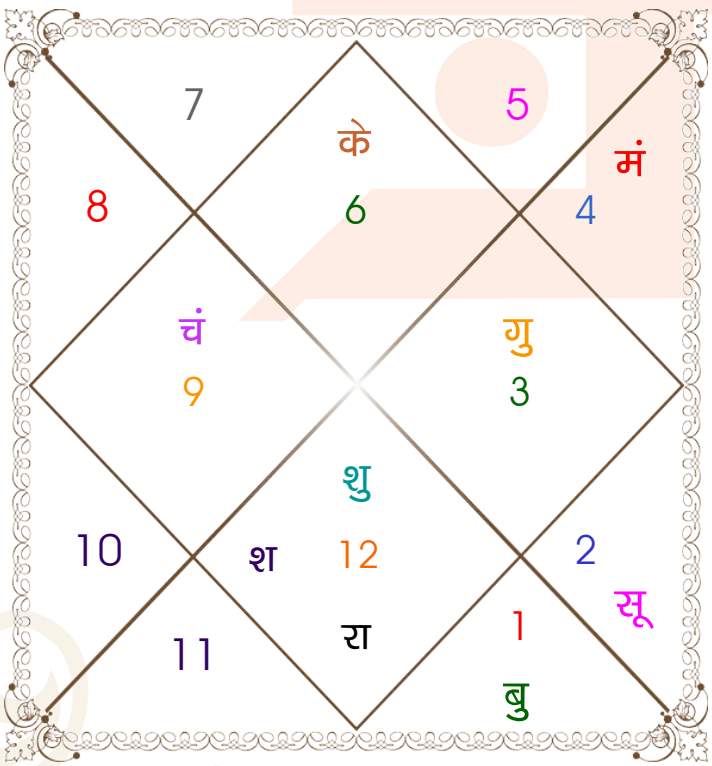

चन्द्र कुंडली

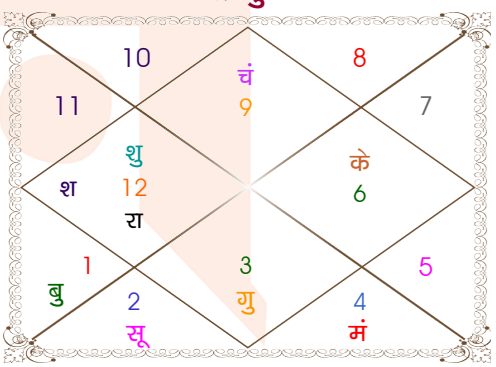

नवमांश कुंडली

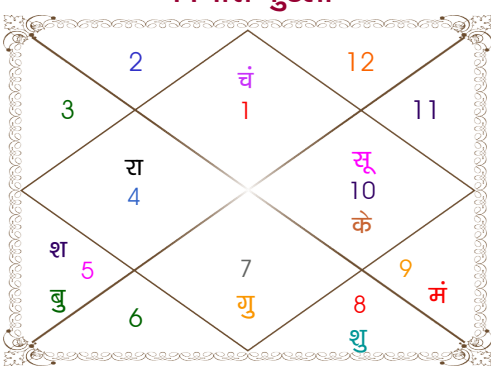

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 8 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/05/2025		13/02/2032		13/02/2052		12/02/2058		13/02/2068	
13/02/2032		13/02/2052		12/02/2058		13/02/2068		13/02/2075	
केतु	11/07/2025	शुक्र	14/06/2035	सूर्य	01/06/2052	चंद्र	14/12/2058	मंगल	11/07/2068
शुक्र	10/09/2026	सूर्य	14/06/2036	चंद्र	01/12/2052	मंगल	15/07/2059	राहु	29/07/2069
सूर्य	16/01/2027	चंद्र	12/02/2038	मंगल	08/04/2053	राहु	13/01/2061	गुरु	05/07/2070
चंद्र	17/08/2027	मंगल	14/04/2039	राहु	03/03/2054	गुरु	15/05/2062	शनि	14/08/2071
मंगल	13/01/2028	राहु	14/04/2042	गुरु	20/12/2054	शनि	14/12/2063	बुध	10/08/2072
राहु	31/01/2029	गुरु	13/12/2044	शनि	02/12/2055	बुध	14/05/2065	केतु	06/01/2073
गुरु	07/01/2030	शनि	13/02/2048	बुध	07/10/2056	केतु	13/12/2065	शुक्र	09/03/2074
शनि	16/02/2031	बुध	14/12/2050	केतु	12/02/2057	शुक्र	14/08/2067	सूर्य	14/07/2074
बुध	13/02/2032	केतु	13/02/2052	शुक्र	12/02/2058	सूर्य	13/02/2068	चंद्र	13/02/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/02/2075		12/02/2093		13/02/2109		14/02/2128		13/02/2145	
12/02/2093		13/02/2109		14/02/2128		13/02/2145		00/00/0000	
राहु	26/10/2077	गुरु	02/04/2095	शनि	17/02/2112	बुध	12/07/2130	केतु	16/05/2145
गुरु	20/03/2080	शनि	14/10/2097	बुध	27/10/2114	केतु	10/07/2131		00/00/0000
शनि	25/01/2083	बुध	19/01/2100	केतु	06/12/2115	शुक्र	09/05/2134		00/00/0000
बुध	14/08/2085	केतु	26/12/2100	शुक्र	04/02/2119	सूर्य	16/03/2135		00/00/0000
केतु	01/09/2086	शुक्र	27/08/2103	सूर्य	17/01/2120	चंद्र	14/08/2136		00/00/0000
शुक्र	01/09/2089	सूर्य	15/06/2104	चंद्र	18/08/2121	मंगल	12/08/2137		00/00/0000
सूर्य	27/07/2090	चंद्र	15/10/2105	मंगल	27/09/2122	राहु	29/02/2140		00/00/0000
चंद्र	26/01/2092	मंगल	20/09/2106	राहु	02/08/2125	गुरु	06/06/2142		00/00/0000
मंगल	12/02/2093	राहु	13/02/2109	गुरु	14/02/2128	शनि	13/02/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 8 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।